Levels of measurement or Scales of measurement—

1. Nominal measurement (नामित मापन) → नामित मापनी को शाब्दिक या वर्गीकरण मापनी (Classificatory measurement) भी कहते हैं। मापन के स्तर में यह सबसे अधिक पुरानी सरल तथा त्रुटिपूर्ण है। मापन की इस सरलतम विधि में वस्तुओं, घटनाओं तथा तथ्यों को किसी गुण या विशेषता के आधार पर अलग अलग वर्गों, समूहों में रख दिया जाता है तथा प्रत्येक वस्तु, व्यक्ति या घटना को पहचान के लिए उसे कोई नाम, संख्या या चिन्ह (code) दे दिया जाता है। अर्थात इसमें विभिन्न वर्गों के लिए अलग अलग प्रतीक अथवा नाम निर्धारित किया जाता है। Behavioural Science में अधिकांश नामित मापनी का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण → लिंग के आधार पर स्त्री पुरुष, शहरी व ग्रामीण नागरिक, स्नातक स्तर पर छात्रों को कला, विज्ञान एवम् वाणिज्य में विभक्त करना परिक्षाफल के आधार पर उत्तीर्ण एवं अनुत्तीर्ण में बाँटना आदि।

2 क्रमित या क्रमसूचक मापन (Ordinal Measurement)
क्रमित मापनी को जातिकरण (Ranking) मापनी भी कहते हैं। मात्रात्मक चरों में यह मापनी किसी मात्रा (How much) का उत्तर देती है। क्योंकि इससे केवल यही ज्ञात होता है कि "A" में मापी जाने वाली मात्रात्मक चर "B" से अधिक है, लेकिन "A", B से कितनी अधिक है यह ज्ञात नहीं हो पाता है। इस मापनी में एक वर्ग की इकाइयों को एक विशेष आधार पर विभिन्न श्रेणियों क्रमिक रूप से अथवा कोटि सूचक (ordinal) रूप में प्रस्तुत करते हैं। इस प्रकार की मापनी से वस्तुओं या व्यक्तियों के गुणों के कम होने (Less than) या अधिक होने (Greater than) का ज्ञान होता है।

For example → छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर श्रेष्ठ, औसत व कमजोर छात्र के क्रम में विभाजित, समाज व्यक्तियों को आर्थिक सामाजिक आधार पर उच्च वर्ग, मध्यम वर्ग तथा निम्न वर्ग में विभाजित करना। क्रमित मापनी, नामित मापनी से अधिक परिमार्जित होता है। यह मापनी गुण की मात्रा के क्रम (Rank) पर आधारित होता है। अतः इसके अन्तर्गत क्रमसूचक अंकों में अंकगणित की गणना संभव नहीं है। क्रमिक मापन से जो आँकड़े प्राप्त होते हैं, उनका सांख्यकीय विश्लेषण मध्यांक (Median) शतांशीय मान (Percentile) कोटि अन्तर सह-सम्बन्ध (Rank difference Co-relation) आदि विधियों से किया जा सकता है।